



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 6, 1969 (भाद्र 15, 1891)

No. 36]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 6, 1969 (BHADRA 15, 1891)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस (NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 29 जुलाई 1969 तक प्रकाशित किये गये हैं :—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 29th July 1969 :

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
--------------------	----------------------------------	-------------------------------------	-------------------

—Nil—

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियाँ प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी।
मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुँच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazette Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

विषय-सूची (CONTENTS)

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 647	भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	पृष्ठ 3707
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1003	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	415
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	61	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	831
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	859	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	325
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	93
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	505
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्र के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	2819	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें	167
		पुरक संख्या 36—	
		23 अगस्त 1969 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट	1533
		2 अगस्त 1969 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म, तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े	1547
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	Page 647	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	3707
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1003	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	415
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	61	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	831
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	859	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta.. . . .	525
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	93
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	505
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules, (including orders, bye-laws, etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	2819	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	167
		SUPPLEMENT No. 36—	
		Weekly Epidemiological Reports for week-ending 23th August 1969	1533
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 2nd August 1969	1547

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1969

सं० 43-प्रेज/69—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि-शमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री जगदीश मिह,

कांस्टेबल सं० 75,

2री बटालियन, विशेष मशस्त्र दल,

ग्वालियर (मध्य प्रदेश)

(स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

11 अक्टूबर 1968 को भिण्ड जिले के गोंहाड थाने में सूचना प्राप्त हुई कि डाकू मोहरामिह के गिरोह के तीन डाकू एक धनी व्यक्ति के लड़के का अपहरण करने के उद्देश्य से अगनुपुरा गांव के समीप खेतों में छुपे हुए थे। शीघ्र ही एक पुलिस दल गिरोह की खोज में भेजा गया। एक पुलिस पार्टी, जिसमें कांस्टेबल जगदीश मिह, एक हेड कांस्टेबल और एक कांस्टेबल थे, उन खेतों में गई जहां डाकू छुपे हुए थे। डाकू भाग गए और श्री जगदीश मिह ने उनका पीछा करना शुरू किया। पुलिस दल के अन्य सदस्य पीछे रह गये और श्री जगदीश सिंह ने अकेले ही ज्वार की खड़ी फसल तथा नदी के साथ-साथ तीनों डाकुओं का छः मील तक पीछा किया। श्री जगदीश सिंह पर डाकुओं ने बार-बार गोलियां चलाईं किन्तु वे ध्वराये नहीं। संयोग से उन्होंने एक डाकू को ईश्वर के खेत में देखा और उसे गोली से उड़ा दिया किन्तु पाम ही छिपे अन्य डाकुओं ने उन पर गोली चला दी और वे मारे गये।

श्री जगदीश सिंह ने विशिष्ट पहलशक्ति, उत्कृष्ट वीरता एवं कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्नि-शमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 11 अक्टूबर 1968 से दिया जायेगा।

सं० 44-प्रेज/69—राष्ट्रपति राजस्थान पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री भीकी लाल,

पुलिस उप-निरीक्षक,

जिला अलवर (राजस्थान)

(स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

भूतपूर्व पुलिस मैन डाकू राम नारायण की राजस्थान-और हरियाणा में हुई अनेक शकैतियों तथा अन्य जघन्य अपराधों के सम्बन्ध में तलाश थी। वह एक सब-जेल से भाग गया था। 20 जनवरी 1969 को रात्रि के 9-00 बजे श्री भीकी लाल पुलिस उप-निरीक्षक को, जिसे मन्दावर पोस्ट स्टेशन पर नियुक्त किया गया था, सूचना मिली कि राम नारायण अपने चार साथियों के साथ बेरोज गांव के समीप एक 'धानी' में था और दूसरे गांव में डाका डालने की योजना बना रहा था। बेरी के कारण अन्य कहीं से पुलिस कुमुक मिलना सम्भव नहीं था। पुलिस चौकी में उपलब्ध छः पुलिस वालों को साथ लेकर श्री भीकी लाल शीघ्र ही चल पड़े। 'धानी' के पास पहुंचने पर उन्होंने अपने आदमियों को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया और स्वयं उस झोंपड़ी के दरवाजे पर पहुंचे जहां डाकू छिपे हुए थे। उन्होंने अपनी रिवालवर दिखा कर डाकुओं से आत्म-समर्पण के लिये कहा। डाकू पुलिस उप-निरीक्षक के साहसिक कार्य से हक्के-बक्के हो गये और अपने हथियारों के लिए दौड़े। श्री भीकी लाल, डाकू राम नारायण पर झपटे और उसे काबू करके निशस्त्र कर दिया। परन्तु दूसरे डाकू ने श्री भीकी लाल पर गोली चला दी और वे मारे गये। पुलिस दल के अन्य सदस्यों ने फिर भी राम नारायण को भागने से रोक लिया।

श्री भीकी लाल ने कुख्यात डाकू से निपटने में उत्कृष्ट वीरता तथा पहलशक्ति का प्रदर्शन किया।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस पदक नियमावली के 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 20 जनवरी 1969 से दिया जायेगा।

सं० 45-प्रेज/69—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री अवध बिहारी सिंह,
हैड कांस्टेबल,
95 बटालियन,
सीमा सुरक्षा दल

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

23 जून 1969 को मनीपुर के उखरूल सब-डिवीजन के कंगपट बाह्य चौकी को सूचना मिली कि मनीपुर और बर्मा के रास्ते विद्रोहियों का एक दल चीन को जा रहा था। सीमा सुरक्षा दल के एक दस्ते को विद्रोहियों को रोकने के लिये भेजा गया जिसमें हैड कांस्टेबल अवध बिहारी सिंह सेकैन्ड-इन-कमाण्ड थे। 24 जून 1968 को लगभग 7 बजे सीमा सुरक्षा दल के दस्ते के स्काउट ने देखा कि एक ग्रामीण, जिसके पीछे दो व्यक्ति और थे, उसकी ओर आ रहे हैं। स्काउट ने इन व्यक्तियों को सलकारा जिस पर उन्होंने उस पर गोली चला दी। वे व्यक्ति सम्भवतः विद्रोही-गिरोह के स्काउट थे और गिरोह में शामिल होने के लिये वापिस दौड़े। ऐसे समय में दस्ते के कमाण्डर ने श्री अवध बिहारी सिंह से समीप की छोटी पहाड़ी से चक्कर लगाने और अपने दल की एक टुकड़ी के साथ बगल से गिरोह पर आक्रमण करने तथा उनके लौटने के रास्ते को काटने के लिये कहा। जब वे पहाड़ी की ओर अपने दल का नेतृत्व कर रहे थे तो शत्रु ने उन पर गोली चला दी। एक गोली उनके सिर के पटनावे को भेद्यती हुई पार हो गई। श्री अवध बिहारी सिंह घबराये नहीं और अपने आक्रमणकारी को गोली से मार गिराया। फिर उन्होंने विद्रोहियों पर धावा बोल दिया जो अपने पीछे शव और शस्त्र तथा गोला-बारूद छोड़ कर समीप के जंगलों में भाग गये।

मुठभेड़ में सफलता का श्रेय हैड कांस्टेबल अवध बिहारी सिंह द्वारा प्रदर्शित वीरता, नेतृत्व व दृढ़ता को है।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 23 जून 1968 से दिया जायगा।

दिनांक 26 अगस्त 1969

सं० 46-प्रेज/69—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री दीवान सिंह,
उप-निरीक्षक,
95 बटालियन,
सीमा सुरक्षा दल

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

उप-निरीक्षक दीवान सिंह को मनीपुर में माची बाह्य चौकी पर कमाण्डर के रूप में नियुक्त किया गया था। 13 अप्रैल 1968 को उन्हें सूचना मिली कि सशस्त्र उपद्रवियों का एक गिरोह

आसपास के गांवों से जबरदस्ती खाद्य सामग्री, धन तथा पशु एकत्र कर रहा था। 13 अप्रैल 1968 की रात्रि को श्री दीवान सिंह 25 व्यक्तियों के एक दस्ते के साथ प्रभावित गांवों में गए। नुनातक गांव में पहुंचने पर उन्हें बताया गया कि उपद्रवी उस स्थान से चले गए। श्री दीवान सिंह गांव-गांव में उपद्रवियों की निरन्तर तलाश करते रहे और अन्त में बोनाली गांव के समीप खेतों में उन्होंने उपद्रवियों को शिविर डाले पाया। उन्होंने क्षेत्र की छानबीन की और विद्रोहियों पर आक्रमण की कुशल योजना बनाई। अपने दल के सदस्यों को तैनात करने के बाद वह स्वयं शिविर की ओर बढ़े। विद्रोहियों ने गोली चला दी और सुरक्षा दल तथा विद्रोहियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ आधे घण्टे तक जारी रही किन्तु स्थिति अनिर्णित बनी रही। तत्पश्चात् उप-निरीक्षक दीवान सिंह ने स्वयं शत्रु के अड्डों पर आक्रमण किया। एक विद्रोही मारा गया तथा छः पकड़े गए। कुछ शस्त्र तथा गोला-बारूद भी कब्जे में ले लिया गया। कोई भी विद्रोही बचकर नहीं भाग सका।

मुठभेड़ में उप-निरीक्षक दीवान सिंह ने विद्रोहियों का निरन्तर पीछा करने में कर्तव्य-निष्ठा दिखाई और विद्रोहियों की स्थिति पर आक्रमण करने में उत्कृष्ट साहस का प्रदर्शन किया।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 13 अप्रैल 1968 से दिया जाएगा।

नागेन्द्र सिंह, राष्ट्रपति के सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 26 अगस्त 1969

सं० 47-प्रेज/69—शुद्धिपत्र-दिनांक 5 नवम्बर, 1966 के भारतीय राजपत्र के भाग I, अनुभाग 1 में प्रकाशित इस सचिवालय की अधिसूचना सं० 76-प्रेज/66 दिनांक 27 अक्टूबर 1966 में शुद्धि करने हेतु :

पृष्ठ 718 पर

कमसंख्या 91 में

जास्ते "1029366 सवार कुलदीप सिंह, 9 हासं"

पढ़ें "1029336 सवार कुलदीप सिंह, 9 हासं"

व० जे० मोर, राष्ट्रपति के उप-सचिव

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1969

संकल्प

सं० एम० II-1181(3)/69—भारत सरकार ने विदेश मंत्रालय और राष्ट्रमंडल संपर्क संकल्प संख्या 38-5/47-हज दिनांक 26 अप्रैल 1948 द्वारा गठित केन्द्रीय हज समिति की अवधि को 26 अप्रैल 1969 से एक वर्ष के लिए और बढ़ाने का निर्णय किया है।

2. इस समिति में, जिसका पुनर्गठन किया गया है, निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :

1. श्री मोहनुल हक चौधरी, सदस्य, विधान सभा
2. मौलाना मोहम्मद मियां फारूकी

3. श्रीमती जरीना करीमभाई
4. बेगम अनीस क़िदवाई
5. श्री एस० ए० मेहदी
6. श्री अकबर अली खाँ, संसद सदस्य
7. श्री सैयद अहमद, संसद सदस्य
8. श्री सैयद अहमद आगा, संसद सदस्य
9. मौलाना असद मदनी, संसद सदस्य
10. श्री ए० क्यू० अंसारी
11. श्री पी० पी० हसन कोया
12. श्री अहमद बख्श सिंधी
13. श्री मकसूद अली खा
14. श्री पी० एम० सईद, संसद सदस्य
15. श्री एम० जे० मो० सईद
16. मौलाना मो० इस्माइल
17. श्री दीन मोहम्मद खाँ
18. श्री ए० सी० कुरेशी

3. श्री मोइनुल हक चौधरी कमेटी के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

सचिव और संयोजक

श्री माद एम० हाशमी, विदेश मंत्रालय के उप सचिव एवं हजकार्य के कार्यकारी निदेशक।

आदेश

आदेश किया गया कि इस संकल्प की एक-एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, प्रधान मंत्री सचिवालय, संसद कार्य विभाग, तमाम राज्य सरकारों और केन्द्र प्रशासित क्षेत्रों, तमाम राज्य हज कमेटियों और संबद्ध सिपिंग कम्पनी के पास सूचनाार्थ भेज दी जाय।

यह आदेश भी दिया गया कि यह संकल्प भारत-राजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

साद एम० हाशमी, उप-सचिव

पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा वातु मंत्रालय (खान तथा वातु विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1969

सं० को० 6-7(12)/68-कोयला मन्त्रणा परिषद्, जिसका गठन संकल्प सं० को०-6-7(12)/68 दिनांक 21 मई 1969 के द्वारा किया गया था, के संघटन में बोकारो स्टील लिमिटेड का भी एक प्रतिनिधि सम्मिलित करने का निर्णय कर लिया गया है। तथापि संकल्प में उल्लिखित परिषद् के कार्यों वदल न होगी।

के० के० धर, निदेशक

विदेशी व्यापार तथा आपूर्ति मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1969

संकल्प

सं० 1 (15)-टेक्स (आई०)/66-टेक्स(ए०)--सूती कपड़े तथा सूत के सम्बन्ध में जो उचित मूल्य वसूल किये जाने चाहिये

उनके सत्यर्थ में टैरिफ आयोग को 1960 में सिखाया गया था। आयोग से अनुरोध किया गया था कि वह कुछ विशेष पहलुओं जैसे कि कपड़े तथा सूत की उत्पादन लागत और उनके मिल से चलते समय के मूल्यों के बारे में रिपोर्ट दें। आयोग से यह भी कहा गया था कि लागत-तत्वों में भारी उतार-चढ़ाव के अनुरूप वह कपड़े तथा सूत के मिल से चलते समय के उचित मूल्यों में समय-समय पर अनुकूल समंजन करने के लिये कोई पद्धति तैयार करे, कपड़े तथा सूत की वितरण-लागत की जांच करे और कपड़े तथा सूत के उचित खुदरा मूल्यों के निर्धारण के लिये एक समुचित आधार पर तैयार करे।

2. टैरिफ आयोग ने सूत तथा सूती कपड़े के मूल्यों पर अपनी रिपोर्ट 1962 में प्रस्तुत की। रिपोर्ट पर विचार करने पर यह पाया गया कि टैरिफ आयोग द्वारा बनाई गई कार्य-पद्धति तथा निर्धारित सूत्र में और कतिपय महत्वपूर्ण पहलुओं पर निकाले गये निष्कर्षों में त्रुटिपूर्ण करने की आवश्यकता है। मूल्य-निर्धारण के लिये निर्धारित सूत्र भी तत्काल लागू करने में कुछ जटिल सा पाया गया। टैरिफ आयोग द्वारा महत्वपूर्ण पहलुओं पर की गई सभी सिफारिशों का सरकार द्वारा नियुक्त एक तकनीकी समिति ने अध्ययन किया। इस समिति ने कुछ लागत तत्वों का पुनः निरूपण करने की आवश्यकता व्यक्त की। समिति द्वारा मूल तथा कपड़े के निर्माण-प्रभारों से सम्बन्धित अन्य पहलुओं पर भी सुझाव दिये गये। किन्तु, समिति ने तत्काल लागू करने के निमित्त एक सरलीकृत सूत्र बनाने के लिये विस्तृत सांख्यिकीय सामग्री प्रस्तुत नहीं की। अतः टैरिफ आयोग तथा तकनीकी समिति के प्रतिवेदनों का अध्ययन करने के लिये विख्यात वस्त्र-प्रौद्योगिकीविज्ञों को एक नामिका का गठन किया गया। इस नामिका ने कुछ विशिष्ट सिफारिशों की और तत्काल-लागू करने के लिये एक सूत्र (यूजर) तैयार किया। प्रौद्योगिकीविज्ञों का नामिका तथा देश के वस्त्र अनुसन्धान संघों के प्रधानों तथा उद्योग के साथ बातचीत करने के बाद इस सूत्र को अंतिम रूप दिया गया।

3. इस बीच, सरकार ने, आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों पर नियंत्रण जगाने की अपनी नीति के अनुसरण में सूती वस्त्रों के मूल्यों का कानूनी नियंत्रण करने के प्रश्न पर विचार किया। इसके अनुसार, धोतिबैं, साड़ियों, लट्टे तथा कमीजों के कपड़े जैसे जनसाधारण के उपयोग के मिल-निर्मित कपड़े की कुछ किस्मों के निर्माण तथा बिक्री पर 20 अक्टूबर 1964 से मूल्य तथा उत्पादन नियंत्रण लागू कर दिया गया। जिस के उत्पादन तथा मूल्य पर भी 1 दिसम्बर 1964 से नियंत्रण लागू किया गया था। उपर्युक्त उपायों का उद्देश्य यह था कि जनसाधारण के उपयोग के लिये लोकप्रिय किस्मों के अच्छे कपड़ों का उचित मूल्यों पर उपयुक्त संभरण मुनिश्चित हो सके।

कानूनी नियंत्रण योजना के अन्तर्गत, कपड़े के मूल्यों का हिसाब लगाने हेतु सूत्र निर्धारित किये गये हैं जिनमें उत्पादन लागत से सम्बद्ध कपास, श्रम तथा अन्य सारवान प्रभारों आदि विभिन्न तत्वों को ध्यान में रखा जाता है। इस तरह से निश्चित किये गये मूल्यों को कपड़े पर मिल से चलते समय के मूल्यों के रूप में अंकित किया जाता है। ऐसे कपड़े पर कपड़े का खुदरा मूल्य, उत्पादन शुल्क, कपड़े की श्रेणी तथा ब्योरा, मिल का 'टेक्स मार्क' और 'निर्दिष्ट कपड़ा' शब्दों को भी अंकित किया जाता है। सूत्र के लागू करने में समय-

समय पर लागत तत्वों के भारी उतार-चढ़ाव के अनुरूप समंजन किये जाते हैं। कानूनी नियंत्रण योजना की कार्य-प्रणाली में जैसे और जब आवश्यक समझा गया है, संशोधन किये गये हैं। उपर्युक्त कानूनी नियंत्रण योजना के अन्तर्गत मूल्यों के निर्धारण के लिये अपमाये गये सूत्रों में सूत तथा कपड़े के मूल्यों पर टैरिफ आयोग और तकनीकी समिति और वस्त्र प्रौद्योगिकीविशेषों की नामिका की सिफारिशों को ध्यान में रखा गया है। यह योजना गत चार वर्षों से लागू है और समुचित रूप से सन्तुष्टजनक ढंग से चल रही है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति सभी सम्बन्धों को भेज दी जाए।

आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सार्वजनिक जानकारी हेतु भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

देवेन्द्र नाथ, संयुक्त सचिव

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय

(कृषि विभाग)

(भा० क्र० अनु० परि०)

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1969

सं० एफ० 30(1)/69-समन्वय(1)/भा०क्र०अनु०परि०-- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की नियमावली के नियम 34(III) तथा 34(IV) के अनुसार परिषद् के अध्यक्ष (खाद्य तथा कृषि मंत्री) ने निम्नलिखित व्यक्तियों को 5 अगस्त 1969 से तीन वर्ष की अवधि के लिए शासी कार्य का सदस्य सहर्ष नियुक्त किया है:—

1 नियम 34 (iii) के अन्तर्गत विख्यात वैज्ञानिक

- डा० एस० भगवन्तम, वैज्ञानिक सलाहकार, रक्षा मंत्रालय तथा महानिदेशक, अनुसंधान तथा विकास, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- डा० एल० एस० नेगी, उप-कुलपति, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर।
- डा० एन० के० पणिकर, निदेशक, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद्), पानाजी (गोआ)।
- डा० जे० एस० पटेल, गोत्री, रोड, बड़ौदा।
- डा० एम० डी० पटेल, भूतपूर्व निदेशक, कृषि संस्थान, अनन्द।
- डा० एम० एस० रघावा, उप कुलपति, पंजाब कृषि विश्व-विद्यालय, चण्डीगढ़।
- डा० एच० एन० मेथना, निदेशक, भाभा अणुशक्ति अनुसंधान संस्थान, ट्राम्बे, बम्बई।
- डा० टी० सी० एन० सिंह, विश्वविद्यालय, प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र, स्नातकोत्तर वनस्पति शास्त्र विभाग, मगध विश्व-विद्यालय, गया।

2 नियम 34 (iv) के अन्तर्गत कृषि में कृषि धन्यता कृषि का ज्ञान रखने वाले व्यक्ति

- श्री शैलेन्द्र नारायण मंजरे, एम० एल० ए० (उड़ीसा) कटक।

- श्री शाह नवाब खां, अध्यक्ष, भारतीय खाद्य निगम, नई दिल्ली।
- श्री शान्तीलाल बी० पांडेय, अध्यक्ष, भारतीय फसल सुधार तथा प्रमाणित बीज उत्पादक संघ, बोहद (गुजरात)।
- श्री भानु प्रताप सिंह, भाबुआ, जिला शाहाबाद, बिहार।
- श्री बी० शिवरामन, सचिव, मंत्रीपरिषद्, मंत्रिपरिषद् सचिवालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।

के० पी० ए० मैनन, संयुक्त सचिव,

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1969

सं० 14(3)/69-एस० आर० 1--राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (1956 के कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत कम्पनी) के संस्था-अन्तर्नियमों के अनुच्छेद 89 के अनुसरण में, राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को 1 अगस्त 1969 से दो वर्ष की अवधि के लिए, निगम के निदेशक बोर्ड में निदेशकों के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

- श्री आर० बैकटरमन
सदस्य (उद्योग), आयोजना आयोग,
नई दिल्ली।
- डा० बी० डी० नाग चौधरी
सदस्य (विज्ञान),
आयोजना आयोग, नई दिल्ली।
- श्री के० बी० राव,
सलाहकार (आई० एण्ड एम०)
आयोजना आयोग, नई दिल्ली।
- श्री एम० पी० नन्दा,
प्रधान,
एस्कोर्ट्स लि०, नई दिल्ली।
- डा० आत्मा राम
महानिदेशक,
वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्,
रफी मार्ग, नई दिल्ली।
- डा० टी० के० राय,
परामर्शदाता, रासायनिक इंजीनियर,
नई दिल्ली।
- प्रो० बी० रामकृष्ण,
अध्यक्ष, रसायन शास्त्र विभाग,
भारतीय टेक्नोलोजी संस्थान, दिल्ली।
- डा० जे० एन० थडानी,
दिल्ली कला एण्ड जर्नल मिल्स लि०,
दिल्ली।
- डा० प्राण लाल पटेल,
प्रबन्ध निदेशक,
धातवर्ध (मेलानिल) कार्स्टिन्स, बम्बई।
- कार्यकारी निदेशक (बाद में, अधिसूचित किया जाएगा)
संस्था के अन्तर्नियमों के अनुच्छेद 103 के अनुसार, राष्ट्रपति

श्री आर० वेंकटरमन को निगम के निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में सहर्ष मनोनीत करते हैं।

बी० एन० भारद्वाज, उप-मन्त्रि

नई दिल्ली, दिनांक 26 अगस्त 1969

सं० 12-1/69-सी० ए० 1(3)—इस मंत्रालय की 8 अगस्त 1969 की अधिसूचना सं० 12-1/69 सी० ए०-1(3) के क्रम में निम्नलिखित व्यक्तियों को, 31 मई 1969 के संवत् सं० 12-1/69 सी० ए०-1(3) की धारा 2 उप-पैरा (13) के अन्तर्गत, केन्द्रीय संग्रहालय सलाहकार बोर्ड के सदस्यों के रूप में 30 मई 1972 तक मनोनीत किया जाता है।

असम . श्री एम० सी० दाम, महायुक्त क्यूरेटर
राज्य संग्रहालय,
गुवाटी।

मैसूर . श्री के० नानिकयम,
क्यूरेटर,
राजकीय संग्रहालय,
बंगलूर।

महाराष्ट्र . निदेशक,
अभिलेख एवं पुरातत्व,
महाराष्ट्र राज्य
एलफिन्स्टोन कॉलेज बिल्डिंग
बम्बई-1।

राजस्थान . डा० मरिय प्रताप श्रीवास्तव,
निदेशक पुरातत्व एवं संग्रहालय,
राजस्थान,
जयपुर।

पी० मोसाशेखरन, उप-मन्त्रि

पोत परिवहन तथा परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1969

संकल्प

सं० पी० एल० 4(32)/68—भूतपूर्व परिवहन और संचार मंत्रालय, परिवहन विभाग (सड़क पक्ष) के संकल्प संख्या पी० एल० 4(9)/59-भाग 2, दिनांक 8 अगस्त 1961 के संकल्प के पैरा 5 के अनुसार और भूतपूर्व और परिवहन मंत्रालय (सड़क पक्ष) के संकल्प संख्या पी० एल०-4(10)/64 दिनांक 30 अक्टूबर 1965 के पैरा 3 के सिलसिले में उपरोक्त 8 अगस्त 1961 के संकल्प की शर्तों के अनुसार केन्द्रीय कर निर्धारण समिति का पुनर्गठन निम्न प्रकार से किया जाता है:—

- (1) महानिदेशक (सड़क विकास) पोत परिवहन और परिवहन मंत्रालय (सड़क पक्ष),
- (2) अध्यक्ष, इन्डियन रोड्स कांग्रेस,
- (3) महानिदेशक, केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान,

(4) और (5) राज्य के दो चीफ इंजीनियर,

(1) चीफ इंजीनियर, राजस्थान
सार्वजनिक निर्माण विभाग भवन तथा सड़क जयपुर।

(2) चीफ इंजीनियर, आंध्र प्रदेश,
सार्वजनिक निर्माण विभाग भवन तथा सड़क,
हैदराबाद।

(6) और (7) राज्य सड़क अनुसंधान प्रयोगशालाओं के दो निदेशक,

(1) निदेशक,
परीक्षण अनुसंधान संस्थान, बिहार सरकार,
पटना।

(2) वाद को सूचित किया जायेगा।

(8) गैर सरकारी संगठन से एक सदस्य:

श्री ए० डी० धिंगरा,
प्रबन्ध निदेशक,
हीटले और ग्रेगम लिमिटेड,
43, फोर्ब्स स्ट्रीट, फोर्ट, बंबई।

महानिदेशक (सड़क विकास) समिति के संयोजक बने रहेंगे और केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान के महानिदेशक द्वारा नामित प्रोफेसर सी० जी० स्वामिनाथन, वैज्ञानिक समिति के सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

2. 8 अगस्त 1961 के पैरा तीन में पूर्वोक्त संकल्प के अतिरिक्त जब कि एक विशेष राज्य की परियोजनाओं को जांचते हुए और रुढ़िगत तकनीकों के प्रतिस्थापन के लिये यथोचित नये तकनीकों की सिफारिश करते समय, समिति चीफ इंजीनियर और संबंधित राज्य के अनुसंधान संस्थान के प्रधान, या उनके प्रतिनिधियों से सहयोजित करेंगे यदि वे पहले ही से समिति में न हों। समिति को तीन विशेषज्ञों तक सहयोजित करने का भी अधिकार होगा जिन्हें विचाराधीन विषय के बारे में विशेष ज्ञान होगा।

3. समिति के विचारार्थ विषय को बढ़ावा देंगे जो उपरोक्त दिनांक 8 अगस्त 1961 के संकल्प के 4 पैरा में सूचित की गई हैं। आगे जैसे कि संकल्प के 5 पैरा में कहा गया है कि महानिदेशक (सड़क विकास) अध्यक्ष इंडियन रोड्स कांग्रेस और निदेशक, केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान के अलावा समिति के सदस्य तीन वर्ष तक अपने पद पर बने रहेंगे और पुनियुक्ति के पात्र होंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि उपरोक्त संकल्प को एक प्रति सभी राज्य सरकारों प्रशासनों योजना आयोग, वित्त मंत्रालय (परिवहन और प्रेट्रोलियम प्रभाग), शिक्षा मंत्रालय (विज्ञान विभाग) महानिदेशक वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद निदेशक, केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, अध्यक्ष इंडियन रोड कांग्रेस, श्री ए० डी० धिंगरा, प्रबन्ध निदेशक, हीटले और ग्रेगम लिमिटेड, 43 फोर्ब्स स्ट्रीट, फोर्ट, बंबई-1 और सचिव, इंडियन रोड कांग्रेस।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाये।

एस० एन० सिन्हा, महानिदेशक (सड़क विकास)
और अतिरिक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 25 अगस्त 1969

संकल्प

सं० 28-एम० टी० (19)/69—भारत सरकार के भूतपूर्व परिवहन तथा संचार मंत्रालय (परिवहन विभाग) के संकल्प सं० 24-एम० टी० (6)/52, दिनांक 17 अगस्त 1959 जैसा समय-समय पर संशोधित किया गया है के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने 1 अगस्त 1967 से दो वर्ष की अवधि के लिए व्यापारिक बड़ा प्रशिक्षण बोर्ड को पुनर्गठित किया। 31 जुलाई 1969 को बोर्ड के समय की समाप्ति पर केन्द्रीय सरकार इस संकल्प के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए व्यापारिक बड़ा प्रशिक्षण बोर्ड को फिर से गठित करती है और निम्न-लिखित व्यक्तियों को बोर्ड में नियुक्त करती है :—

अध्यक्ष

पोत परिवहन तथा परिवहन मंत्री

चेयरमैन

पोत परिवहन के महानिदेशक

बाइस चेयरमैन

पोत परिवहन के वरिष्ठ उप महानिदेशक

सदस्य

1. व्यापारिक बड़ा प्रशिक्षण संस्थान पदेन से सम्बन्धित भारत सरकार, पोत परिवहन तथा परिवहन मंत्रालय के उप-सचिव।
2. वित्त मंत्रालय में पोत परिवहन पदेन तथा परिवहन मंत्रालय से सम्बन्धित, उप-सचिव।
3. भारत सरकार के नौ सलाहकार पदेन
4. भारत सरकार का मुख्य सल्लाहकार पदेन
5. लालबहादुर शास्त्री नौ तथा पदेन इंजीनियरी कालेज, बम्बई के प्रधानाचार्य।
6. समुद्री इंजीनियरी प्रशिक्षण पदेन कलकत्ता के निदेशक।
7. ट्रेनिंगशिप "डफरिन" बम्बई के पदेन कप्तान अधीक्षक।
8. ट्रेनिंगशिप "भद्रा", कलकत्ता के पदेन कप्तान अधीक्षक।
9. श्री एस० डी० वसवन्त, 164 सदस्य लोक सभा नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली।
10. श्री एन० रामकृष्ण अय्यर, 41, सदस्य राज्य सभा नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली।
11. कमांडोर कृपाल सिंह भारतीय रक्षा मंत्रालय का नौ सेना, नौ सेना मुख्यालय, नई दिल्ली के कृमिकों के निदेशक।

12. श्री वि० आर० रेड्डी, सहायक शिक्षा सलाहकार, (तकनीकी) शिक्षा तथा युवा सेवा मंत्रालय, नई दिल्ली।

13. डा० ए० रामचन्द्रन, निदेशक, तकनीकी शिक्षा के भारतीय, तकनीकी संस्थान, मद्रास। लिए अखिल भारतीय परिषद् के प्रतिनिधि।

14. श्री सी० पी० श्रीवास्तव, चेयरमैन और प्रबन्धक निदेशक, शिपिंग कारपोरेशन आफ इंडिया के शिपिंग कारपोरेशन आफ इंडिया, बम्बई। प्रतिनिधि।

15. श्री टी० एम० गोकुलदास सिधिया स्टीम नेविगेशन कम्पनी, सिधिया हाउस, ब्लाक ईस्टेट, बम्बई। इंडियन नेशनल स्टीम-शिप ओनर्स अशो-शियेशन के प्रतिनिधि।

16. कप्तान बी० डी० कटारिया, द्वारा मैसर्स डम्पो स्टीमशिप लिमिटेड, मोतीमहल, जे० टाटा रोड, बम्बई।

17. कप्तान जे० सी० आनन्द प्रबन्धक निदेशक मैसर्स पेन्ट ओशन स्टीम-शिप प्राइवेट लिमिटेड, फोर्ट हाउस बिल्डिंग, 221, डा० दादाभाई नौरोजी रोड, बम्बई-1। पत्तन ट्रस्टों के प्रतिनिधि।

18. कप्तान डी० होटन कप्तान ए० वी० मैक स्वीनी (बोर्ड की बैठक कलकत्ता में होने की अवस्था में वैकल्पिक सदस्य)। कलकत्ता लाइनर्स कम्परेन्स कर्मी और ओवर्स/एजेंट कमेटी (कर्मी) बम्बई के प्रतिनिधि।

19. श्री रसिक लाल एच० नरेचनिया द्वारा मालावाड स्टीमशिप कंपनी लि० टरबंशाव हाउस, 10, ब्लाक रोड, बम्बई। फेडरेशन आफ इंडिया चैम्बर आफ कामर्स ऑफ इंडस्ट्री, नई दिल्ली।

20. श्री जे० डी० रेनदेरी, महा सचिव, मेरीटाइम यूनियन आफ इंडिया, नेशनल इन्स्योरेन्स बिल्डिंग, 204, डा० दा० नौरोजी रोड, बम्बई। मेरीटाइम यूनियन आफ इंडिया के प्रतिनिधि।

21. श्री स्यो बरनीस द्वारा नेशनल यूनियन आफ सीफेरर्स आफ इंडिया 4, गोवा स्ट्रीट, बम्बई। नेशनल यूनियन आफ सी फेरर्स आफ इंडिया का प्रतिनिधि।

लाल बहादुर शास्त्री नौ और इंजीनियरी कालेज, बम्बई के प्रधानाचार्य बोर्ड के सदस्य-सचिव का कार्य करेंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक-एक प्रति राष्ट्रपति के निजी और मिलटरी सचिवों, प्रधान मंत्री के सचिवालय मंत्री मंडल सचिवालय, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों, पत्तन-ट्रस्टों और पोत परिवहन के महानिदेशक बम्बई को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्व साधारण की सूचना के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

आर० दोरायस्वामी,
संयुक्त सचिव,

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 20th August 1969

No. 43-Pres./69.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

Name of the officer and rank

Shri Jagdish Singh,
Constable No. 75,
2nd Battalion, Special Armed Force,
Gwalior (Madhya Pradesh). (Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 11th October 1968, information was received at the Gohad Police Station in Bhind District that three members of the gang of dacoit Moharsingh were hiding in the fields adjoining village Agnupura with the object of kidnapping the son of a well-to-do man. A posse of police immediately set out to find the gang. One Police party consisting of Constable Jagdish Singh, a Head Constable and another Constable moved into the fields where the dacoits were hiding. The dacoits took to their heels and Shri Jagdish Singh started chasing them. The other members of the Police party were left behind but Shri Jagdish Singh continued to pursue the dacoits all alone through standing jowar crops and a river bed for six miles. From time to time the dacoits fired on Shri Jagdish Singh but this did not deter him. Eventually he saw one of the dacoits in a sugarcane field and shot him but he himself was shot dead by the other dacoits who were hiding nearby.

Shri Jagdish Singh showed outstanding initiative and conspicuous courage and devotion to duty.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 11th October, 1968.

No. 44-Pres./69.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Rajasthan Police :—

Name of the officer and rank

Shri Bhiki Lal,
Sub-Inspector of Police,
District Alwar (Rajasthan). (Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

Dacoit Ram Narain, an ex-Policeman, was wanted in connection with a number of dacoities and other heinous crimes committed in Rajasthan and Haryana. He had escaped from a Sub-Jail. At about 9.00 P.M. on the 20th January 1969, Shri Bhiki Lal, Sub-Inspector of Police, who was posted at Mandawar Post Station, received information that Ram Narain with four accomplices was in a 'dhani' near village Beroi and was planning to commit a dacoity in another village. As it was not possible to obtain police reinforcements at that late hour, Shri Bhiki Lal set out at once with a force of six policemen who were available at Police Post. On reaching the 'dhani' he positioned his men at different places and himself approached the entrance of the hut where the dacoits were hiding. He called on the dacoits at the point of his revolver to surrender. The dacoits were completely taken aback by the courageous action of the Sub-Inspector and ran for their weapons. Shri Bhiki Lal threw himself on dacoit Ram Narain and overpowered him and

dispossessed him of his weapon, but another dacoit shot at Shri Bhiki Lal and killed him. The other members of the Police party, however, prevented Ram Narain from escaping.

Shri Bhiki Lal showed conspicuous bravery and initiative in dealing with a notorious dacoit.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 20th January, 1969.

No. 45-Pres./69.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force :—

Name of the officer and rank

Shri Awadh Bihari Singh,
Head-Constable,
95 Battalion,
Border Security Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 23rd June, 1968, information was received at Kangput Outpost in Ukhrul Sub-Division of Manipur that a gang of hostiles was proceeding to China through Manipur and Burma. A column of the Border Security Force was sent to intercept the hostiles with Head-Constable Awadh Bihari Singh as Second-in-Command. At about 0700 hours on the 24th June, 1968, the scout of the Border Security Force column noticed a villager followed by two persons coming towards him. The scout challenged these persons who fired at the scout. They were presumably scouts of the hostile gang and ran back to join the gang. At this juncture, Shri Awadh Bihari Singh was asked by the Column Commander to make a detour from the nearby hillock and attack the gang with a part of the force from the flank and cut off their retreat. While he was leading his force to the hill, the enemy fired and a bullet pierced through his headgear. Shri Awadh Bihari Singh was not unnerved and shot down his assailant. Then he led a charge on the hostiles, who fled away in nearby jungles leaving behind their dead and arms and ammunition.

The success of the encounter was due to the gallantry, leadership and tenacity shown by Head-Constable Awadh Bihari Singh.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 23 June, 1968.

The 26th August 1969

No. 46-Pres./69.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force :—

Name of the officer and rank

Shri Dewan Singh,
Sub-Inspector,
95 Battalion,
Border Security Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

Sub-Inspector Dewan Singh was posted as a Commander at the Machi Outpost in Manipur. Information was received by him on 13th April, 1968, that a gang of armed hostiles was forcibly collecting rations, cash and cattle in the neighbouring villages. Shri Dewan Singh proceeded to the affected villages with a column of 25 men on the night of 13th April, 1968. On reaching village Nungtak he was informed

that the hostiles had left that place. Shri Dewan Singh ceaselessly pursued the hostiles from village to village and ultimately found them camping in the fields near village Bongli. He reconnoitred the area and evolved a skilful plan of attack on the hostiles. After deploying the members of his force, he himself advanced towards the camp. The hostiles opened fire and a severe encounter ensued between the hostiles and the Security Forces. The encounter continued for half an hour but the position remained indecisive. Sub-Inspector Dewan Singh then charged the enemy positions. One hostile was killed and six were captured. Some arms and ammunition were also captured. None of the hostiles escaped.

In the encounter, Sub-Inspector Dewan Singh exhibited devotion to duty in the ceaseless pursuit of the hostiles and displayed conspicuous gallantry in charging the hostile position.

2. This award is made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 13th April, 1968.

NAGENDRA SINGH, Secy. to the President

New Delhi, the 26th August 1969

CORRIGENDUM

No. 47-Pres./69.—In this Secretariat Notification No. 76-Pres./66, dated the 27th October, 1966, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India dated the 5th November, 1966 :—

On page 731

Serial No. 91

For "1029366 Sowar KULDIP SINGH, 9 HORSE"

Read "1029336 Sowar KULDIP SINGH, 9 HORSE"

V. J. MOORE, Dy. Secy. to the President

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 18th August 1969

RESOLUTION

No. M. II-1181(3)/69.—The Government of India have decided to extend by another year with effect from the 26th April, 1969, the term of the Central Haj Committee constituted by the Ministry of External Affairs and Commonwealth Relations Resolution No. 38-5/47-Hajj, dated the 26th April, 1948.

2. The Committee which has been reconstituted, shall consist of the following Members :—

1. Shri Moinul Haque Choudhury, M.L.A.
2. Maulana Mohd. Mian Faruqi.
3. Smt. Zarina Currimbhoy.
4. Begum Anis Kidwai.
5. Shri S. A. Mehdi.
6. Shri Akbar Ali Khan, M.P.
7. Shri Syed Ahmed, M.P.
8. Shri Syed Ahmed Aga, M.P.
9. Maulana Asad Madani, M.P.
10. Shri A. Q. Ansari.
11. Shri P. P. Hassan Koya.
12. Shri Ahmed Bakhsh Sindhi.
13. Shri Maqsood Ali Khan.
14. Shri P. M. Sayeed, M.P.
15. Shri M. J. Mohd. Sayeed.
16. Maulana Mohd. Ismail.
17. Shri Din Mohd. Khan.
18. Shri A. C. Qureshi.

3. Shri Moinul Haque Choudhury shall act as the Chairman of the Committee.

4. Secretary & Convener : Shri Saad M. Hashmi, Deputy Secretary, Incharge Haj Affairs in the Ministry of External Affairs.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all Ministries of the Government of India, the Prime Minister's Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, all State Governments and Centrally Administered Areas, all State Haj Committees and the Shipping Company concerned, for information.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India.

SAAD M. HASHMI, Dy. Secy.
(Europe & Haj Affairs)

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 25th August 1969

No. S.R.O. 20-52/67-Edn.II.—The Punjab Agricultural University constituted under the Punjab Agricultural University Act, 1961, is serving the needs of the successor States within the meaning of Section 72 of the Punjab Reorganisation Act, 1966.

The State Legislatures of Haryana and Punjab States have passed Resolutions authorising the Parliament to enact suitable legislation for the dissolution of the Punjab Agricultural University.

In order to examine the matters arising out of the division of Punjab Agricultural University, the Central Government is hereby pleased to appoint a Committee consisting of the following Members :—

Chairman

1. Shri B. R. Patel, Secretary to the Government of India, Ministry of Food, Agriculture, Community Development & Cooperation, New Delhi.

Members

2. A representative of the Union Ministry of Home Affairs, New Delhi.
3. Shri K. S. Pandalai, Joint Secretary and Legal Adviser, Ministry of Law, New Delhi.
4. Shri B. N. Maheshwari, Financial Adviser, Ministry of Finance (Agriculture Division), New Delhi.
5. Shri K. P. A. Menon, Secretary, Indian Council of Agricultural Research, and Joint Secretary to the Government of India, Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation, New Delhi.
6. A representative of the Government of Punjab.
7. A representative of the Government of Haryana.
8. A representative of the Government of Himachal Pradesh.

The Committee shall examine the preliminary issues with regard to the division of the Punjab Agricultural University and recommend the set up for promotion of agricultural research, training and education within the States of Punjab, Haryana and the Union Territory of Himachal Pradesh, and any other matter arising therefrom.

The Committee shall submit its Report within a period of three months from the date of constitution of the Committee.

K. P. A. MENON, Jt. Secy.

Indian Council of Agricultural Research*New Delhi, the 20th August 1969*

No. F. 30(1)/69-CDN(I)/ICAR.—Under the provisions of Rule 34(ili) and 34(iv) of the Rules of the Indian Council of Agricultural Research, the President of the Council (Minister of Food and Agriculture) has been pleased to appoint the following persons as members on the Governing Body of the Council for a period of three years with effect from the 5th August, 1969 :—

I. Eminent Scientists under Rule 34(ili) :

1. Dr. S. Bhagvantam, Scientific Adviser to the Ministry of Defence and Director General, Research and Development, Defence Research and Development Organisation, Government of India, New Delhi.
2. Dr. L. S. Negi, Vice-Chancellor, Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalaya, Jabalpur.
3. Dr. N. K. Panikkar, Director, National Institute of Oceanography (Council of Scientific and Industrial Research), Panaji (Goa).
4. Dr. J. S. Patel, Gotri Road, Baroda.
5. Dr. M. D. Patel, Ex-Director, Institute of Agriculture, Anand.
6. Dr. M. S. Randhawa, Vice-Chancellor, Punjab Agricultural University, Chandigarh.
7. Dr. H. N. Sethna, Director, Bhabha Atomic Research Centre, Trombay, Bombay.
8. Dr. T. C. N. Singh, University Professor of Botany Post Graduate Department of Botany, Magadh University, Gaya.

II. Persons with interest or knowledge in Agriculture under Rule 34(iv) :

1. Shri Sailendra Narayan Bhanja Deo, M.L.A. (Orissa), Cuttack.
2. Shri Shah Nawaz Khan, Chairman, Food Corporation of India, New Delhi.
3. Shri Shantilal B. Pandya, President, India Crop Improvement and Certified Seed Producers' Association, Dohad (Gujarat).
4. Shri Bhanu Pratap Singh, Bhabua, District Shahabad, Bihar.
5. Shri B. Sivaraman, Secretary to the Cabinet, Cabinet Secretariat, Government of India, New Delhi.

K. P. A. MENON, Jt. Secy.**MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES***New Delhi, the 20th August 1969*

No. 14(3)/69-SRI.—In pursuance of Article 89 of the Article of Association of the National Research Development Corporation (a Company registered under the Companies Act of 1956), the President is pleased to appoint the following as Directors on the Board of Directors of the Corporation for a period of two years with effect from the 1st August, 1969 :—

1. Shri R. Venkataraman, Member (Industry), Planning Commission, New Delhi.
2. Dr. B. D. Nag Chaudhuri, Member (Science), Planning Commission, New Delhi.
3. Shri K. B. Rao, Adviser (I & M), Planning Commission, New Delhi.
4. Shri H. P. Nanda, President, Escorts Ltd., New Delhi.
5. Dr. Atma Ram, Director General, Council of Scientific & Industrial Research, Rafi Marg, New Delhi.
6. Dr. T. K. Roy, Consulting Chemical Engineer, New Delhi.

7. Prof. V. Ramakrishna, Head of Chemistry Department, Indian Institute of Technology, Delhi.
8. Dr. J. N. Thadani, Delhi Cloth & General Mills Ltd., Delhi.
9. Dr. Pranlal Patel, Managing Director, Malleable Castings, Bombay.
10. Executive Director (to be notified later on).

In accordance with Article 103 of the Articles of Association, the President is pleased to nominate Shri R. Venkataraman as Chairman of the Board of Directors of the Corporation.

B. N. BHARDWAJ, Dy. Secy.*New Delhi, the 26th August 1969*

No. F. 12-1/69-CAI(3).—In continuation of this Ministry's notification No. 12-1/69-CAI(3) of the 8th August, 1969 the following persons have been nominated as members of the Central Advisory Board of Museums for a period up to 30th May, 1972 under sub para (xiii) of Clause 2 of the Resolution No. 12-1/69-CAI(3), dated the 31st May, 1969 :—

Assam—Shri M. C. Das, Assistant Curator, State Museum, Gauhati.

Mysore—Shri K. Manickam, Curator, Government Museum, Bangalore.

Maharashtra—The Director, Archives & Archaeology, Maharashtra Government State, Elphinstone College, Building, Bombay.

Rajasthan—Dr. Satya Prakash Srivastava, Director of Archaeology & Museums, Rajasthan, Jaipur.

P. SOMASEKHARAN, Dy. Secy.**MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT****(Roads Wing)****RESOLUTION***New Delhi-1, the 14th August 1969*

No. PL-4(32)/68.—In pursuance of para 5 of the late Ministry of Transport and Communications, Department of Transport (Roads Wing) Resolution No. PL-4(9)/59-Pt. II, dated the 8th August 1961, and with reference to para 3 of the late Ministry of Transport (Roads Wing) Resolution No. PL-4(10)/64, dated the 30th October 1965, the Central Assessment Committee set up in terms of the Resolution dated the 8th August 1961 referred to above, is reconstituted as under :—

- (i) The Director General (Road Development), Ministry of Shipping and Transport (Roads Wing);
- (ii) The President, Indian Roads Congress;
- (iii) The Director, Central Road Research Institute;
- (iv)
- & Two Chief Engineers of States :
- (v)
- (i) The Chief Engineer, Rajasthan, Public Works Department, (B & R), Jaipur.
- (ii) The Chief Engineer, Andhra Pradesh, Public Works Department, (R & B), Hyderabad.
- (vi)
- & Two Directors of State Road Research Laboratories :
- (vii)
- (i) The Director, Testing Research Institute, Government of Bihar, Patna.
- (ii) to be indicated later.
- (viii) One member from a non-Governmental Organisation—
Shri A. D. Dhingra, Managing Director, Heatly and Gresham Ltd., 43, Forbes Street, Fort, Bombay.

The Director General (Road Development) shall continue to be the convenor of the Committee and Prof. C. G. Swaminathan, Scientist nominated by the Director, Central Road Research Institute will act as the Secretary to the Committee.

2. In addition, as stated in para 3 of the aforesaid Resolution dated the 6th August 1961, while examining the road projects of a particular State, and while recommending suitable new techniques for replacing conventional ones, the Committee shall co-opt the Chief Engineer and the head of the Research Institute of that State, or their representatives, if they are not already on the Committee. The Committee will also have the power to co-opt upto three experts who have special knowledge of the subject under consideration.

3. The terms of reference of the Committee will be the same as mentioned in para 4 of the Resolution dated the 8th August 1961 referred to in para 1 above. Further, as stated in para 5 of that Resolution, the members of the Committee, other than the Director General (Road Development), the President of the Indian Roads Congress and the Director, Central Road Research Institute, will hold office for three years and will be eligible for re-appointment.

ORDER

ORDERED that the above Resolution be communicated to all the State Governments/Administrations, the Planning Commission, the Ministry of Finance (T & P Division), the Ministry of Education (Department of Science), the Director General, Council of Scientific and Industrial Research, the Director, Central Road Research Institute, the President, Indian Roads Congress, Shri A. D. Dhingra, Managing Director, Heatly and Gresham Ltd., 43, Forbes Street, Fort, Bombay-1, and the Secretary, Indian Roads Congress.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India.

S. N. SINHA, Director General (Road Devl.) & Additional Secy.

(Transport Wing)

New Delhi, the 25th August 1969

RESOLUTION

No. 28-MT(19)/69.—In pursuance of the Government of India late Ministry of Transport and Communications (Department of Transport) Resolution No. 24-MT(6)/52, dated the 17th August, 1959, as amended from time to time, the Central Government reconstitute, the Merchant Navy Training Board for a period of two years with effect from the 1st August, 1967. On the expiry of the life of the Board on the 31st July, 1969, the Central Government is pleased to reconstitute the Merchant Navy Training Board for a period of two years with effect from the date of publication of this Resolution and to appoint the following persons on the Board :—

President

Minister of Shipping and Transport.

Chairman

Director General of Shipping.

Vice-Chairman

Senior Deputy Director General of Shipping.

Members

1. Deputy Secretary to the Government of India, Ministry of Shipping and Transport, dealing with the Merchant Navy Training Institutions.—*Ex-Officio*.
2. Deputy Secretary, Ministry of Finance dealing with the Ministry of Shipping and Transport.—*Ex-Officio*.
3. Nautical Adviser to the Government of India.—*Ex-Officio*.
4. Chief Surveyor with the Government of India.—*Ex-Officio*.

5. Principal, Lal Bahadur Shastri Nautical and Engineering College, Bombay.—*Ex-Officio*.
6. Director, Marine Engineering Training, Calcutta.—*Ex-Officio*.
7. Capt. Supdt., Training Ship 'Dufferin', Bombay.—*Ex-Officio*.
8. Capt. Supdt., Training Ship 'Bhadra', Calcutta.—*Ex-Officio*.
9. Shri S. D. Baswant, 164, North Avenue, New Delhi.—*Member Lok Sabha*.
10. Shri N. Ramakrishna Iyer, 41, North Avenue, New Delhi.—*Member Rajya Sabha*.
11. Commodore Kirpal Singh, I.N., Director of Personnel, Naval Headquarters, New Delhi.—*Representative of the Ministry of Defence*.
12. Shri V. R. Reddy, Assistant Educational Adviser (Technical), Ministry of Education and Youth Services, New Delhi.—*Representative of the Ministry of Education and Youth Services*.
13. Dr. A. Ramachandran, Director, Indian Institute of Technology, Madras.—*Representative of the All India Council for Technical Education*.
14. Shri C. P. Srivastava, Chairman and Managing Director, Shipping Corporation of India, Bombay.—*Representative of the Shipping Corporation of India*.
15. Shri T. M. Gokuldas, Scindia Steam Navigation Co., Scindia House, Ballard Estate, Bombay.—*Representatives of the Indian National Steamship Owners' Association*.
16. Capt. B. D. Kataria, C/o M/s. Dempo Steamships Ltd., Moti Mahal, J. Tata Road, Bombay.—*Representatives of the Indian National Steamship Owners' Association*.
17. Capt. J. C. Anand, Managing Director, M/s. Port Ocean Steamships Pvt. Ltd., Fort House Building, 221, Dr. Dadabhai Naoroji Road, Bombay-1.—*Representative of the Port Trusts*.
18. Capt. D. Houghton/Capt. A. B. McSweeney (alternate member in the event of the Board's meeting in Calcutta).—*Representatives of the Calcutta Liners Conference (Crews) and the Owners/Agents Committee (Crews), Bombay*.
19. Shri Rasiklal H. Nerechmalia, C/o Mahesh Steamship Co. Ltd., Darabshaw House, 10, Ballard Road, Bombay.—*Representative of the Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry, New Delhi*.
20. Shri J. D. Randori, General Secretary, Maritime Union of India, National Insurance Building, 204, Dr. D. Naoroji Road, Bombay-1.—*Representative of the Maritime Union of India*.
21. Shri Leo Barnes, C/o. National Union of Seafarers of India, 4, Goa Street, Bombay.—*Representative of the National Union of Seafarers of India*.

The Principal, Lal Bahadur Shastri Nautical and Engineering College, Bombay, will act as *Member Secretary* of the Board.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Private and Military Secretaries to the President, the Prime Minister's Secretariat, the Cabinet Secretariat, all the Ministries of the Government of India, all the State Governments, the Port Trusts and the Director General of Shipping, Bombay.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. DORAISWAMY, Jt. Secy.